कृपया प्रकाशनार्थ **4 दिसंबर 2012**

इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन के राम नाईक अध्यक्ष, न्या. धर्माधिकारी मार्गदर्शक

मुंबई, मंगलवार : कुष्ठपीडितों की सेवा में कार्यरत आंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानी-मानी संस्था इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन के अध्यक्ष के नाते पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक सर्वसंमती से चुने गए हैं. साथ ही साथ पूर्व न्यायमूर्ती श्री. चंद्रशेखर धर्माधिकारी को संस्था ने अपने 'मार्गदर्शक' (पैट्रन) के तौर पर सम्मानित किया है. इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन ने आज एक प्रेस विज्ञप्तीद्वारा यह जानकारी दी है.

इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन की हालहि में पुणे में संपन्न हुई वार्षिक सर्वसाधारण सभा में यह निर्णय हुआ. पुरे देश में कुष्ठपीडितों के लिए सेवा कार्य करनेवाली विभिन्न संगठनों को साथ लेकर कुष्ठपीडितों के सबलीकरण के लिए पिछले कई वर्षों से श्री. राम नाईक जो कार्य कर रहे हैं उससे सभी भलिभांती परिचित है. यही कारण है कि पिछले वर्ष इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन ने कुष्ठपीडितों के मानवाधिकार संरक्षण के लिए बनायी राष्ट्रीय समिति का श्री. राम नाईक को अध्यक्ष बनाया था. अब श्री. नाईक का मार्गदर्शन कुष्ठपीडितों को निरंतर मिलता रहे इस हेतु उन्हें सर्वसंमती से इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन का अध्यक्ष चुना गया है. इसी संस्था के डा. शरद्चंद्र गोखले मानद् अध्यक्ष हैं.

स्वर्गीय पूर्व राष्ट्रपती श्री. वेंकटरामन इस संस्था के 'मार्गदर्शक' थे. अब यह सम्मानित स्थान पूर्व न्यायमूर्ति श्री. चंद्रशेखर धर्माधिकारी को देने का निर्णय भी संस्था की सर्वसाधारण सभा में लिया गया. महाराष्ट्र सरकार की सेवा से हालहि में निवृत्त हुए मेजर डा. प्रदीप गायकवाड कार्यरत सहसंचालक, आरोग्य सेवा, कुष्ठरोग व क्षयरोग विभाग अब इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन के कार्यकारी संचालक बनें हैं, ऐसी जानकारी भी प्रेस विज्ञप्ती में दी गयी हैं.

इंटरनैशनल लेप्रसी युनियन की चयन समिति ने देश के विभिन्न प्रदेशों के कुष्ठपीडित बस्तीओं में सेवाकार्य कर रही महिलाओं में से दस प्रमुख महिलाओं को विशेष पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय किया है. जल्द ही इन सभी महिलाओं का सार्वजनिक अभिनंदन किया जाएगा ऐसा भी प्रेस विज्ञप्ती में कहा गया हैं.

(कार्यालय मंत्री) के लिए

विशेष: श्री. राम नाईक व न्या. चंद्रशेखर धर्माधिकारी के छायाचित्र ईमेल द्वारा भेजे गए हैं.